उद्घाटन समारोह में दीप जलाते हुए निवर्तमान अध्यक्ष पी के राय, साथ में महासचिव रासविहारी, मुख्यमंत्री हुड्डा

कारण नहीं हो पाई। 27 नवम्बर, 2010 को सम्मेलन का उद्घाटन हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने किया और समारोह में ओम शांति रिट्रीट सेन्टर ब्रह्मकुमारीज की निदेशिका बहन बी.के. आशा, एनयूजे के निवर्तमान अध्यक्ष श्री पी.के. राय और नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री प्रज्ञानंद चौधरी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। आयोजन समिति के संयोजक संजय राठी ने सबका स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन की अगुवाई करने वाले सभी नेता किसी न किसी रूप में पत्रकार थे। उन्होंने समाज में जागृति लाने और निचले तबके तक अपनी बात पहुंचाने के लिए पत्रकारिता को अपना माध्यम बनाया। उन्होंने उन छह बिंदुओं का भी उल्लेख किया, जिनके बिना खबरें अपूर्ण है और यह भी कहा कि राजनीति में पत्रकारिता तो हो सकती है लेकिन पत्रकारिता में राजनीति नहीं हो सकती। श्री हुड्डा ने यह भी कहा कि प्रेस में छपी खबरों पर नजर रखने के लिए प्रेस काउंसिल बनी है उसी प्रकार इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर नजर रखने के लिए एक मीडिया कांउसिल होनी चाहिए।

उद्घाटन समारोह के बाद एनयूजे आम सभा की पहली बैठक में दिवंगत पत्रकारों, सदस्यों साथियों को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। वरिष्ठ पत्रकार और जनसत्ता के प्रधान संपादक रहे श्री प्रभाष जोशी, जाने-माने साहित्यकार-पत्रकार डॉ. कन्हैया लाल नंदन, वीर प्रताप के प्रधान संपादक के.नरेन्द्र, नवभारत टाइम्स के विशेष संवाददाता रहे दिल्ली के ओमप्रकाश तपस, यूपी के लक्ष्मीदत्त देव प्रतापगढ़, महानंद पाठक सुल्तानपुर, जगजीत सिंह बहराइच, विजय प्रताप सिंह, कृपाशंकर शुक्ला इलाहाबाद यूपी, कमल ठाकुर सम्पादक (नवभारत, हरिभूमि), बंसल गुप्ता, समाचार संपादक नवभारत बिलासपुर, छत्तीसगढ़, उड़ीसा के सुधीर मिश्रा, प्रणवनाथ, कलपत्रू गुरु, हरिहर मिश्रा संबलपुर ओड़िसा, श्याम सुन्दर व्यास सम्पादक व स्वतंत्रता सेनानी, भगवती लाल बहेड़िया पूर्व कोषाध्यक्ष 'जार', राजस्थान, तरुण भूषण गुप्ता, के.टी. प्रसाद मिश्र, प्रभात कुमार मिश्र, पश्चिम बंगाल के निधन पर शोक जताया गया। श्रद्धांजलि प्रस्ताव नवनियुक्त कोषाध्यक्ष मनोहर सिंह ने रखा।

बिजनेस सत्र

हैदराबाद में आयोजित 15वें द्विवार्षिक अधिवेशन की कार्यवाही का विवरण आमसभा की बैठक में प्रस्तुत नहीं किया जा सका। निवर्तमान महासचिव आत्मदीप की गैरहाजिरी में महासचिव के प्रतिवेदन (रिपोर्ट) प्रस्तुत करने पर सदस्यों ने सवाल उठाया। सदस्यों का कहना था कि निवर्तमान महासचिव आत्मदीप की गैर-मौजदूगी में रिपोर्ट पर स्पष्टीकरण कौन देगा? जब इस बारे में निर्वतमान अध्यक्ष श्री पी. के. राय से पूछा गया कि क्या वह इस रिपोर्ट पर सदन में स्पष्टीकरण देगें तो उनका कहना था कि चूंकि उन्होंने भी अभी तक इस रिपोर्ट को नहीं पढ़ा है इसलिए वह इस रिपोर्ट पर अभी स्पष्टीकरण देने के स्थिति में नहीं है। इसके बाद सदन मे रिपोर्ट पेश न करने और उस पर चर्चा न कराने का फैसला आमराय से किया गया। श्री राजेन्द्र प्रभु ने 27 जून, 2010 को नयी दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय कार्यकारिणी कि बैठक की रिपोर्ट न पेश करने पर नाराजगी जाहिर की। उनका कहना था कि यह संदेश दिया जा रहा है कि जून 2010 में दिल्ली में राष्ट्रीय कार्यकारिणी की कोई बैठक ही नहीं हुई।

वर्ष 2008 और 2009 के ऑडिटेड अकाउंट्स और जनवरी 2010 से अक्टूबर 2010 तक का आय-व्यय का विवरण श्री मनोज मिश्र, निवर्तमान कोषाध्यक्ष की गैर मौजूदगी में श्री हर्षवर्धन (कार्यकारिणी सदस्य) ने प्रस्तुत किया जिसे कुछ स्पष्टीकरणों के बाद आम राय से पारित किया गया।

प्रदेशों की रिपोर्ट

आम सभा की बैठक के दूसरे सत्र में जाप के महासचिव मोहन यादव, डीजेए अध्यक्ष मनोज वर्मा, एनयूजे बिहार के महासचिव राकेश प्रवीर, त्रिपुरा में एनयूजे इकाई के संयोजक प्रशांत चक्रावर्ती, उपजा के महासचिव सर्वेश कुमार सिंह, ओयूजे के महासचिव कैलाश चंद्र नायक, जम्प के अध्यक्ष सुरेश शर्मा, जार के उपाध्यक्ष वेद प्रकाश, एनयूजे उत्तराखंड़ के महासचिव रवीद्रनाथ कौशिक, डब्लूबीयूजे के महासचिव दीपक रे, एचयूजे